❀ आत्मा ❀

"आत्मा" जिवन भर
अपने आप को ही
खोजते रहता है।

बाबास्वामी
7.7.2016

274

8.7.16
बाबा धाम

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" की सारी खोज
बाहर ही सदैव रहती
है, वह दुसरा कोई
खोजने रहता है,

बाबा-वाणी
8/7/16

10.7.16

आत्मा

आत्मा की खोज तो
भितर तब तक प्रांरभ
ही नही होती जब
तक उसे भितर की
दिशा नही मिल जाती

बाबा स्वामी
10/7/2016

11.7.16

❀ आत्मा ❀

भितर गया हुआ माध्यम
जब तक आत्मा को
नही मिलता तब तक
आत्मा को भितर की
दिशा नही मील पाती

बाबा स्वामी
11/7/16

12.7.16

आत्मा शिवबाबास्वामी धाम (कच्छ)

मिनर का माध्यम केवल मिलने से भी कुछ नही होना "आत्मा" उस माध्यम को मानना चाहिये।

बाबास्वामी
12/7/16

14.7.16

आज्ञा

श्री बाबा स्वामी धाम
कच्छ

कहते हैं, न पानी
पीयो छान कर
और "गुरु" करो
'जान' कर

श्री स्वामी
14/7/16

15.7.16

आत्मा

श्री बाबा स्वामी धाम
कच्छ.

और जाना केवल
और केवल आत्मा
की अनुभुती से ही
हो सकता है।

बाबा स्वामी
15/7/16

16.7.16
शीवाबाधाम
कच्छ

आत्मा

"परमात्मा" एक विश्व चेतना है, जिसका माध्यम वर्तमान समय के अनुसार होता है, लेकीन उसकी अनुभुती सदैव "समान" होती है,

बाबास्वामी
16|7|16

289

23.7.16
मुंबई

❀ आत्मा ❀

अनुभूती अनुभव होती है। आत्मा को इस सद्गुरु को जानने के लिये "आत्मा" होना होगा।

स्वामी

23/7/16

290
24.7.16
श्री बाबा धाम
मोगार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" निसर्ग के
समान होती है।
दोनो मे समभाव
होता है।

बाबा स्वामी
24।7.16

26.7.16
बाबा धाम
मोगार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक "आत्मा" के जिवन मे पुर्ण समाधान लभी प्राप्त होना है, जब उसे "परमात्मा" की प्राप्ती होती है।

बाबा स्वामी
26.7.16

293
27.7.16

बाबा धाम
मोगार

❀ आत्मा ❀

पुर्ण समाधान जीवन मे
प्राप्त हुये बीना "आत्मा"
की आध्यात्मीक प्रगती
"प्रांरभ" ही नही होती
है।

बाबा स्वामी
27.7.16

294

28.7.16

बाबा धाम
मोगार

❀ आत्मा ❀

जिवन मे "पुर्ण समाधान" शरीर से प्राप्त नही हो सकता।

बाबास्वामी
28.7.16

297
30-7-16
बाबाधाम
मोगार

❀ आत्मा ❀

क्योंकी प्रत्येक क्षण क्षण पर "शरीर" को अवरोध खड़ा करना ही है,

बाबा स्वामी
30.7.16